आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली

फैकल्टी: Ms. Farah (राजनीति विज्ञान व्याख्याता)

कॉलेज: स्वामी विवेकानंद गर्ल्स कॉलेज, रूपनगढ़

विषय: राजनीति विज्ञान | **कक्षा:** BA प्रथम वर्ष | **सेमेस्टर:** 1

प्रतिनिधित्व प्रणाली का परिचय

मतदान का महत्व

लोकतंत्र में जनता का सरकार में प्रतिनिधित्व होना आवश्यक है। प्रतिनिधित्व प्रणाली यह तय करती है कि मतदाताओं के मतों को संसद या विधानसभा में कैसे परिवर्तित किया जाए।

Made with GAMMA

आनुपातिक प्रतिनिधित्व का अर्थ

सरल परिभाषा

प्रत्येक राजनीतिक दल को सीटें उसके प्राप्त मतों के अनुपात में मिलती हैं।

मुख्य सिद्धांत

अगर कोई दल 40% मत प्राप्त करता है, तो उसे कुल सीटों का लगभग 40% हिस्सा मिलना चाहिए।

उद्देश्य

सभी समूहों को समान रूप से सुना जाए और कोई मत व्यर्थ न जाए।

Made with GAMMA

प्रमुख विशेषताएँ

01

बड़े निर्वाचन क्षेत्र

कई सीटों वाले बड़े क्षेत्र बनाए जाते हैं, जहाँ एक साथ कई प्रतिनिधि चुने जाते हैं।

02

अनुपातिक वितरण

सीटों का वितरण मतों के प्रतिशत के आधार पर किया जाता है।

03

दलों की सूची

राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों की सूची तैयार करते हैं।

04

सीट आवंटन

मतों के अनुपात के आधार पर दलों को सीटें आवंटित की जाती हैं।

Made with GAMMA

आनुपातिक प्रतिनिधित्व के प्रकार

1

लिस्ट प्रणाली (List System)

दल अपने उम्मीदवारों की सूची देते हैं। मतदाता दल को वोट देते हैं। मतों के अनुपात में सीटें आवंटित होती हैं।

2

सिंगल ट्रांसफरेबल वोट (STV)

मतदाता उम्मीदवारों को प्राथमिकता देते हैं। न्यूनतम मत प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को बाहर किया जाता है और मत स्थानांतरित होते हैं।

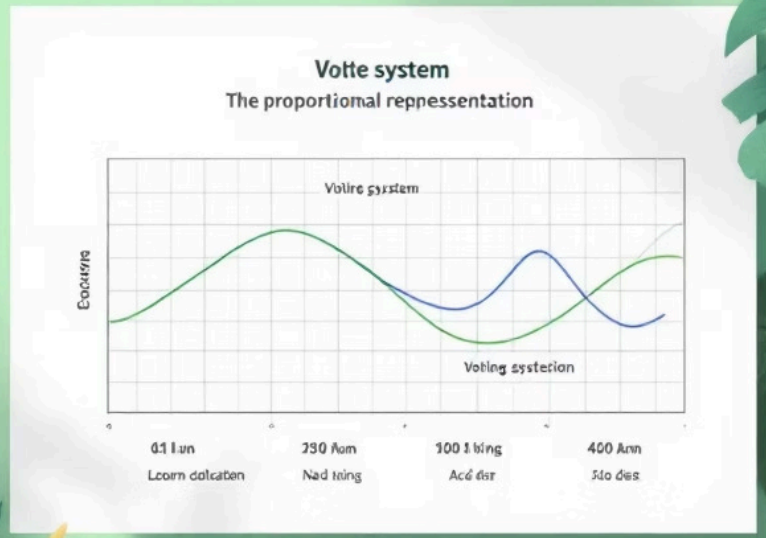

Made with GAMMA

आनुपातिक प्रतिनिधित्व के लाभ

न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व

सभी दलों और समूहों को उनके मतों के अनुपात में प्रतिनिधित्व मिलता है।

विविधता का समावेश

छोटे दलों और सीमांत समूहों को भी संसद में स्थान मिलता है।

कम मत व्यर्थ

ज्यादातर मत सीटों में परिवर्तित होते हैं, कम मत बर्बाद होते हैं।

सहयोग को प्रोत्साहन

कोई दल अकेले बहुमत प्राप्त नहीं कर पाता, इसलिए गठबंधन और सहयोग बनता है।

Made with GAMMA

सीमाएँ और आलोचनाएँ

राजनीतिक अस्थिरता

कई दलों के साथ सरकार बनाना मुश्किल होता है। गठबंधन टूट सकते हैं।

जटिल प्रक्रिया

मतदाताओं के लिए समझना और सीट आवंटन की प्रक्रिया कठिन होती है।

स्थानीय प्रतिनिधित्व की कमी

दल की सूची से चुने गए प्रतिनिधि स्थानीय क्षेत्र से कम जुड़े होते हैं।

Made with GAMMA

भारत में आनुपातिक प्रतिनिधित्व

1. **राज्यसभा चुनाव**
   राज्यसभा के सदस्य आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली से चुने जाते हैं।

2. **राष्ट्रपति चुनाव**
   राष्ट्रपति का चुनाव Single Transferable Vote प्रणाली से होता है।

3. **उपराष्ट्रपति चुनाव**
   उपराष्ट्रपति भी STV प्रणाली से चुने जाते हैं।

4. **विधान परिषद**
   कुछ राज्यों की विधान परिषद में भी यह प्रणाली प्रयुक्त होती है।

Made with GAMMA

प्रणाली की तुलना

बहुमत प्रणाली

- प्रत्येक क्षेत्र से एक सीट
- सबसे ज्यादा मत पाने वाला जीतता है
- मजबूत सरकार बनती है
- छोटे दलों को अवसर कम

आनुपातिक प्रणाली

- कई सीटों वाले बड़े क्षेत्र
- मतों के अनुपात में सीटें
- गठबंधन सरकार बनती है
- सभी दलों को प्रतिनिधित्व

Made with GAMMA

निष्कर्ष

न्याय की प्रणाली

आनुपातिक प्रतिनिधित्व सभी समूहों को न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व देती है।

वैश्विक प्रयोग

कई देशों में यह प्रणाली सफलतापूर्वक प्रयुक्त होती है।

संतुलन की आवश्यकता

न्याय और स्थिरता के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण है।

आनुपातिक प्रतिनिधित्व एक विकल्प है जो विविधता और समावेशिता को बढ़ावा देता है, लेकिन इसकी चुनौतियाँ भी हैं।

Made with GAMMA